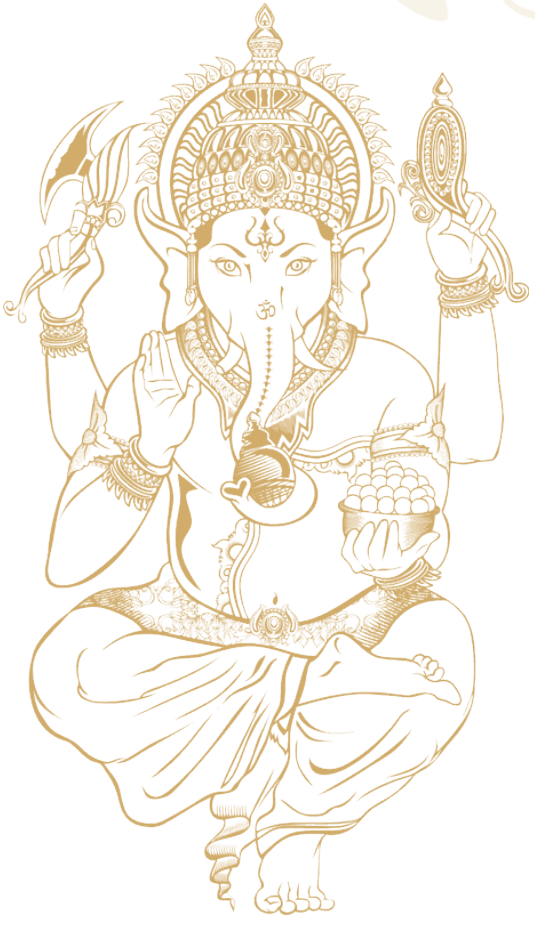

Mr.Yash Kumar

Ms.Pallavi Gupta

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120477002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/11/1995	जन्म तिथि	12/12/2001
शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 10:47:34	जन्म समय	22:29:39 घंटे
घटी 11:02:52	जन्म समय(घटी)	39:44:43 घटी
India	देश	India
Gorakhpur	स्थान	Arrah
26:45:00 उत्तर	अक्षांश	25:34:00 उत्तर
83:23:00 पूर्व	रेखांश	84:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:32	स्थानिक संस्कार	00:08:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:22:25	सूर्योदय	06:28:07
17:03:34	सूर्यास्त	17:02:03
23:48:05	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:45

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 0वर्ष 6मा 3दि	09:06:01	मक	लग्न	सिंह	10:07:25	गुरु 3वर्ष 9मा 14दि
सूर्य	07:38:33	वृश्चि	सूर्य	वृश्चि	26:51:31	बुध
29/05/2023	29:36:02	वृश्चि	चंद्र	वृश्चि	00:10:31	26/09/2024
28/05/2029	01:24:00	धनु	मंगल	कुंभ	08:53:17	27/09/2041
सूर्य 15/09/2023	08:12:24	वृश्चि	बुध	धनु	01:11:47	बुध 23/02/2027
चन्द्र 16/03/2024	27:07:44	वृश्चि	गुरु व	मिथु	19:16:47	केतु 20/02/2028
मंगल 22/07/2024	02:03:07	धनु	शुक्र	वृश्चि	19:00:11	शुक्र 21/12/2030
राहु 15/06/2025	24:11:57	कुंभ	शनि व	वृष	16:51:27	सूर्य 28/10/2031
गुरु 04/04/2026	02:16:13	तुला व	राहु व	मिथु	03:16:41	चन्द्र 28/03/2033
शनि 17/03/2027	02:16:13	मेष व	केतु व	धनु	03:16:41	मंगल 25/03/2034
बुध 21/01/2028	03:42:17	मक	हर्ष	मक	27:47:34	राहु 12/10/2036
केतु 28/05/2028	29:39:09	धनु	नेप	मक	12:57:06	गुरु 17/01/2039
शुक्र 28/05/2029	06:43:48	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	21:26:12	शनि 27/09/2041

लग्न-चलित

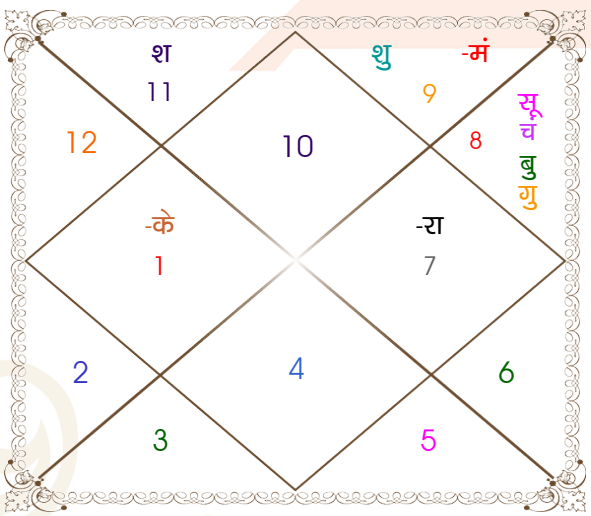

लग्न-चलित

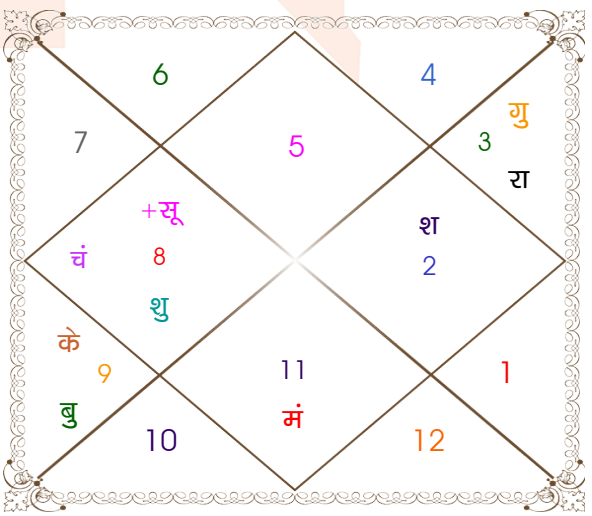

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	कीटक	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.50		

Mr.Yash Kumar का वर्ग मृग है तथा डेण्ंससंअप ळनचजं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Yash Kumar और डेण्ंससंअप ळनचजं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Yash Kumar मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.Yash Kumar कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्ंससंअप ळनचजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि डेण्ंससंअप ळनचजं कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डेण्ंस्सिंअप ळनचजं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Yash Kumar तथा डेण्ंस्सिंअप ळनचजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।